



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 31 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1310 घंटे

विषय: (i) गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी तटीय ओडिशा और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने 'वेल मार्कड लो-प्रेसर एरिया' (अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) के असर से, 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 31 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 31 अगस्त को ओडिशा में और 31 अगस्त से 1 सितंबर 2026 के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश हो सकती है।

(ii) अगले एक हफ़्ते तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 31 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश (>20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और असम में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून ट्रफ़ का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और पूर्वी सिरा समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- ❖ कल उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर बना 'वेल मार्कड लो प्रेशर एरिया' (अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव का क्षेत्र) आज, 31 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उत्तरी तटीय ओडिशा व उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आसपास के इलाकों में स्थित था। इसके अगले 24 घंटों के दौरान उत्तरी ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है।
- ❖ निचले और मध्यम क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेरिक) स्तरों में उत्तरी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से लेकर ऊपर बताए गए 'वेल मार्कड लो प्रेशर एरिया' से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) तक एक ट्रफ़ बनी हुई है।
- ❖ मध्यम क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू डिवीज़न के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में 'वेस्टर्न डिस्टर्बेंस' (पश्चिमी विक्षोभ) मौजूद है।
- ❖ निचले क्षोभमंडल स्तर पर पूर्वोत्तर असम और उसके आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 31 अगस्त से 2 सितंबर के बीच जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 31 अगस्त से 4 सितंबर के बीच हिमाचल प्रदेश में; और 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच उत्तराखंड में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 से 5 सितंबर के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; और 1 से 6 सितंबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 से 6 सितंबर के बीच जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 5 से 6 सितंबर के बीच हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 2 सितंबर और 6 सितंबर को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 31 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 2 से 6 सितंबर के बीच पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 सितंबर के बीच जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच उत्तराखंड में; 1 से 2 सितंबर के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; और 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच जम्मू डिवीज़न में; 31 अगस्त से 3 सितंबर के बीच हिमाचल प्रदेश में; 2 से 6 सितंबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में; 2 से 5 सितंबर के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 1 से 6 सितंबर के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 3 से 4 सितंबर के बीच पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 31 अगस्त से 2 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 4 से 6 सितंबर के बीच विदर्भ में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 से 6 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 31 अगस्त से 6 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 31 अगस्त से 3 सितंबर के बीच विदर्भ में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 4 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 2 से 4 सितंबर के बीच विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 2 और 6 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 6 सितंबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 2 और 4 सितंबर को विदर्भ में; और 31 अगस्त से 4 सितंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 3 से 5 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 31 अगस्त से 5 सितंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में; और 3 सितंबर को विदर्भ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त और 1 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 31 अगस्त से 6 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 31 अगस्त से 3 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 4 से 6 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; और 3 से 6 सितंबर के दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 3 से 4 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले

पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 31 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान बिहार और झारखंड में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 1 से 4 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 2 सितंबर को झारखंड में; 2 से 4 सितंबर के दौरान बिहार में; और 31 अगस्त व 2 सितंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 31 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान बिहार और झारखंड में; और 1 सितंबर को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त को ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 31 अगस्त से 6 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; और 31 अगस्त से 4 सितंबर के दौरान असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 1 से 3 सितंबर और 5 से 6 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 1 से 6 सितंबर के दौरान असम और मेघालय में; 2 से 5 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 31 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय में; और 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 31 अगस्त से 6 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में काफी ज़्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 6 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त और 3-4 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में; और 4 सितंबर को मराठवाड़ा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 31 अगस्त से 6 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है; केरल और माहे और लक्षद्वीप में 31 अगस्त से 1 सितंबर और 5 से 6 सितंबर के दौरान बारिश हो सकती है।
- ❖ 2 से 4 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 31 अगस्त से 6 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; 31 अगस्त को तटीय कर्नाटक में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चल सकती हैं; 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान तेलंगाना में तेज़ हवाएं चल सकती हैं।
- ❖ 31 अगस्त को तटीय कर्नाटक में; 31 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में; 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान तेलंगाना में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 5 सितंबर तक; उत्तर और पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में 2 सितंबर तक; और उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में 2 से 4 सितंबर के दौरान।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु तट के पास, कोमोरिन इलाके से सटे मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण श्रीलंका तट से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 5 सितंबर तक; अंडमान सागर में 3 सितंबर तक; पश्चिम बंगाल, ओडिशा, उत्तरी आंध्र प्रदेश और बांग्लादेश के तटों के पास और उनसे दूर; और 31 अगस्त को मध्य बंगाल की खाड़ी से सटे उत्तरी हिस्सों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

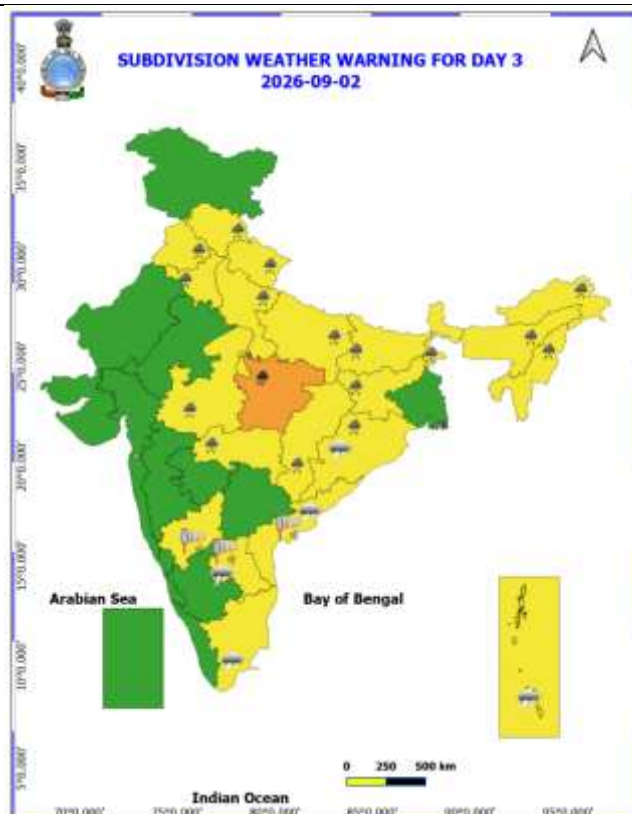
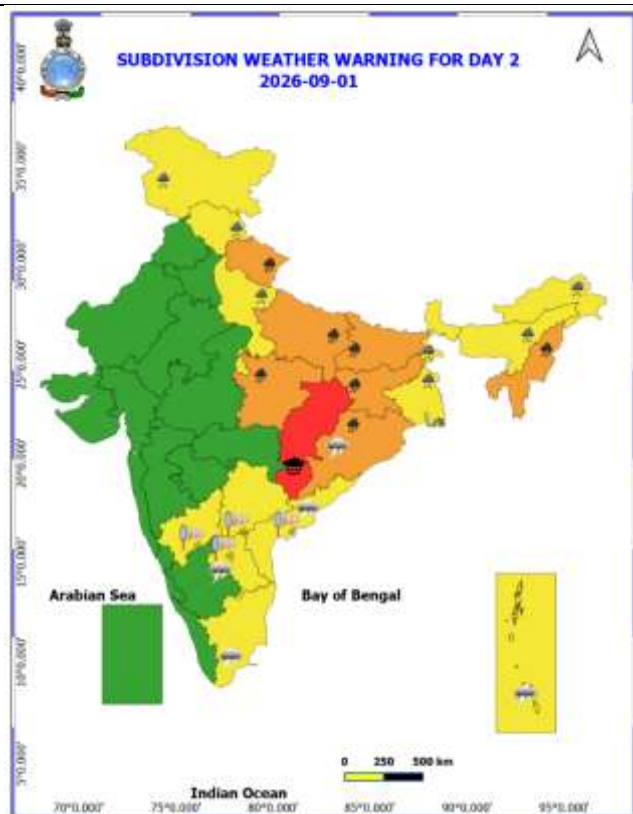
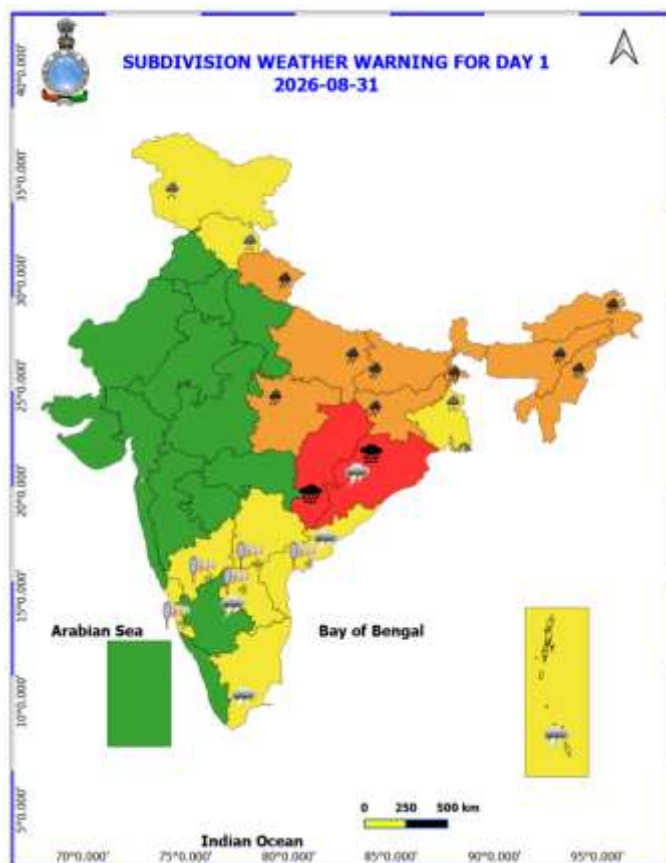
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

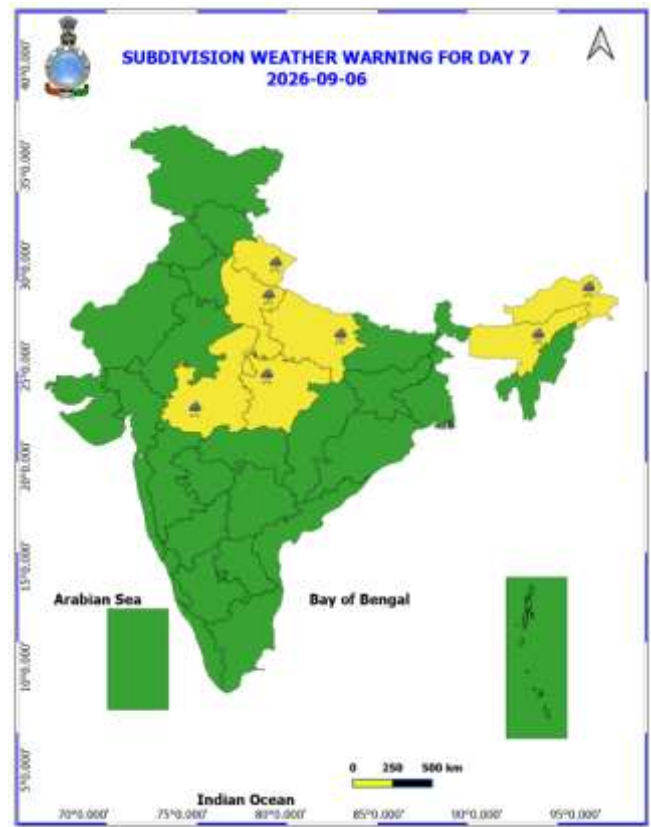
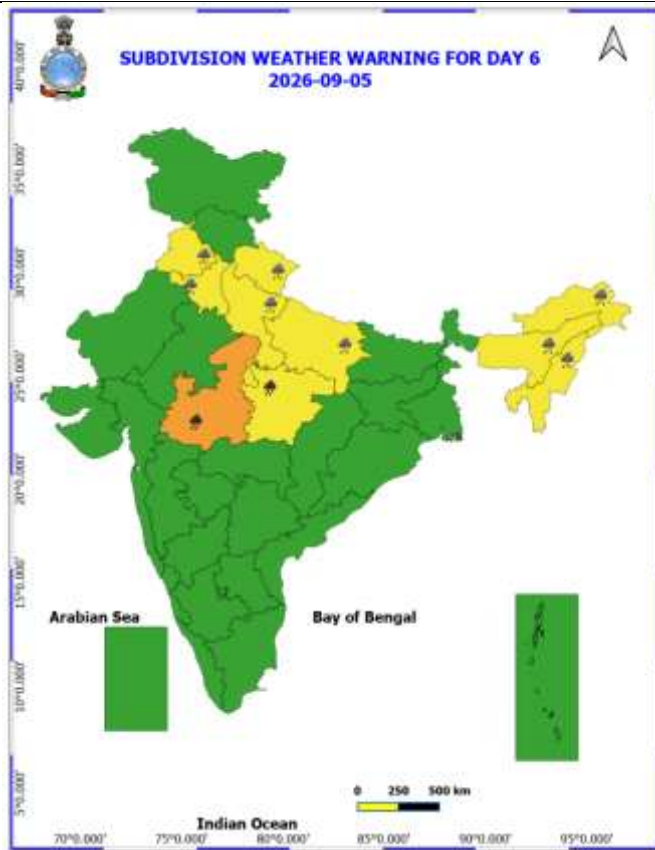
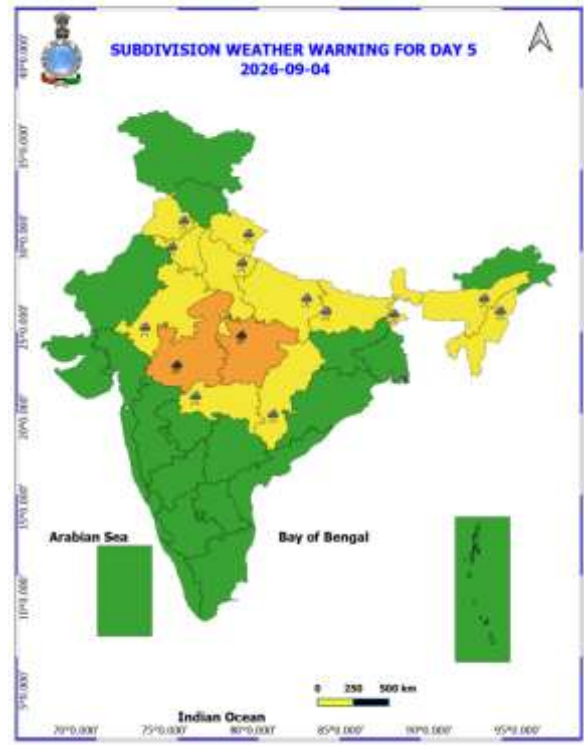
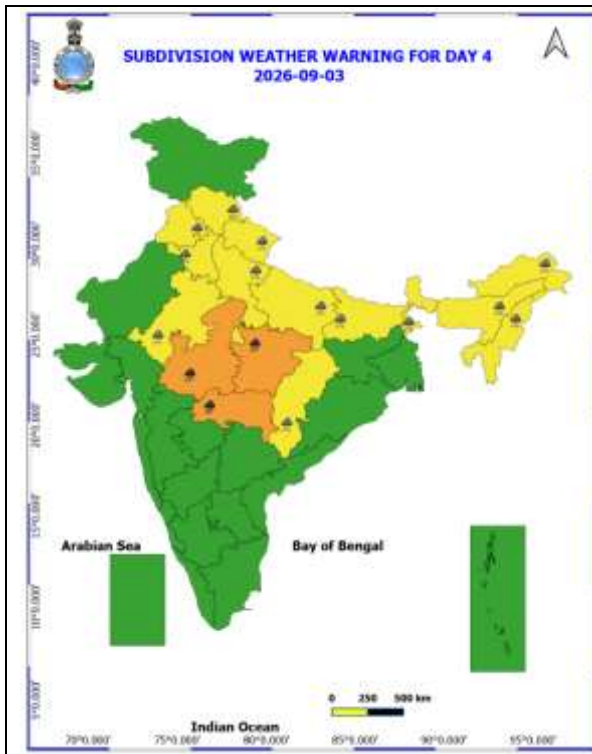
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ छत्तीसगढ़: बलरामपुर 29
- ❖ झारखंड: लातेहार 17
- ❖ ओडिशा: तेनसा (सुंदरगढ़) 16
- ❖ बिहार: औरंगाबाद 15
- ❖ उत्तर प्रदेश: मुरादाबाद सीडब्ल्यूसी (मुरादाबाद) 15, कोरांव (प्रयागराज) 13
- ❖ असम: गोलपाड़ा 12
- ❖ पश्चिम बंगाल: झलॉंग 11, दीघा 8
- ❖ उत्तराखंड: भैंसिया छाना (एडब्ल्यूएस) 9, रोशनाबाद 8
- ❖ त्रिपुरा: ईडन लाउज आर्ग (जिला उत्तरी त्रिपुरा) 8
- ❖ हिमाचल प्रदेश: कांगड़ा 7

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	31- Aug	1- Sep	2- Sep	3- Sep	4- Sep	5- Sep	6- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

31 अगस्त से 03 सितंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-35°C और न्यूनतम तापमान 23-28°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C), कुछ अलग-थलग जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ अलग-थलग जगहों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और ज़मीन पर हवा की गति 18 किमी/घंटा रही, जो पश्चिम दिशा से 32 किमी/घंटा तक के झोंकों के साथ चली। आज सुबह के समय इस इलाके में आम तौर पर बादल छाए रहने और पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

31.08.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन पर मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और दोपहर के समय हवा की गति 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

01.09.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दोपहर से शाम के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास और अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलेगी।

02.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दोपहर से शाम के बीच भी कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

03.09.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी और इसकी रफ़्तार 18 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार कम होकर 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 31 अगस्त को ओडिशा में और 31 अगस्त व 1 सितंबर को छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 31 अगस्त से 5 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की बहुत संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स), दालों और सब्जियों के खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी लगातार और असरदार तरीके से निकालने का इंतज़ाम करें ताकि लंबे समय तक जल-जमाव न हो। निचले इलाकों में मक्का, अदरक और हल्दी के खेतों में पानी निकासी के रास्ते साफ़ रखें।
- ❖ ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, सब्जियों और नर्सरी बेड में पानी की निकासी लगातार और असरदार बनाए रखें और खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ़ और चालू हालत में रखें। पानी भरे खेतों में मक्का और मूंग की बुवाई या दोबारा बुवाई टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें।
- ❖ झारखंड में, खड़ी फसल वाले खेतों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें और निचले इलाकों से ज़्यादा बारिश का पानी हटा दें। सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं और काटी गई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, धान, सब्जियों के खेतों, बागों और नर्सरी बेड में पानी निकासी के रास्ते साफ़ रखें ताकि जल-जमाव न हो। सब्जियों के पौधों को भारी बारिश से बचाएं, कद्दू-वर्गीय फसलों के आस-पास पानी निकासी बेहतर करें और गीली स्थिति में नाइट्रोजन का इस्तेमाल न करें।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी और मुख्य खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और जल-जमाव व पानी के बहाव को रोकने के लिए खेतों की मेड़ों को मज़बूत करें। अमन धान और सब्जियों के खेतों से ज़्यादा पानी निकाल दें।
- ❖ बिहार में, धान, मक्का, तिल, अरहर और अन्य खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और लंबे समय तक पानी जमा न होने दें। बहुत ज़्यादा गीले खेतों में खेती के काम, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम तब तक टाल दें जब तक हालात ठीक न हो जाएं।
- ❖ उत्तराखंड में, गन्ना, सोयाबीन, राजमा, मूंग, उड़द, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की असरदार निकासी बनाए रखें। पानी निकासी के रास्ते साफ़ रखें और लंबी फसलों व सब्जियों को सहारा दें ताकि वे गिरें नहीं।

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में, खड़ी फसलों वाले खेतों, खासकर निचले इलाकों जहाँ जल-जमाव का खतरा रहता है, से ज़्यादा बारिश का पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें। पानी से भरे खेतों में सिंचाई, खाद और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें और खेती के काम तभी करें जब मिट्टी की स्थिति सही हो जाए।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, कपास, मक्का और गन्ने के खेतों में जल-जमाव रोकने के लिए पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें। गीली स्थिति में सब्जियों की रोपाई न करें, फलों के छोटे पौधों को सहारा दें और गन्ने की लंबी फसल को गिरने से बचाने के लिए सहारा (प्रॉपिंग) दें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों और बागों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और ज़्यादा पानी तुरंत निकाल दें। बाजरे की फसल में बालियां निकलने और फूल आने के समय खेतों से पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें।
- ❖ असम और मेघालय में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें। बारिश के दौरान खाद डालने और फसल की सुरक्षा से जुड़े काम न करें और जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ जूट की कटाई फलियों के छोटे रहने की अवस्था में ही कर लें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें और पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ पकी हुई मक्का, अरबी और अदरक की कटाई कर लें और बहुत ज़्यादा गीले होने पर खेतों में कोई काम न करें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- ❖ कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर रखें या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फसल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।
- ❖ तेज़ हवाओं के कारण फसल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाली वाला निकास (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ़्लो होने की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

01-09-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) का खतरा (FFR):

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा कम से मध्यम रहने की संभावना है।

असम और मेघालय:

असम: कोकराझार, बोंगाईगांव, नलबाड़ी, बारपेटा, गोलपारा, कामरूप ग्रामीण, कार्बी आंगलॉग, जोरहाट, डिमा हसाओ और श्रीभूमि जिले

मेघालय: नॉर्थ गारो हिल्स, ईस्ट खासी हिल्स, वेस्ट खासी हिल्स, साउथ वेस्ट खासी हिल्स, री भोई और ईस्ट जयंतिया हिल्स जिले

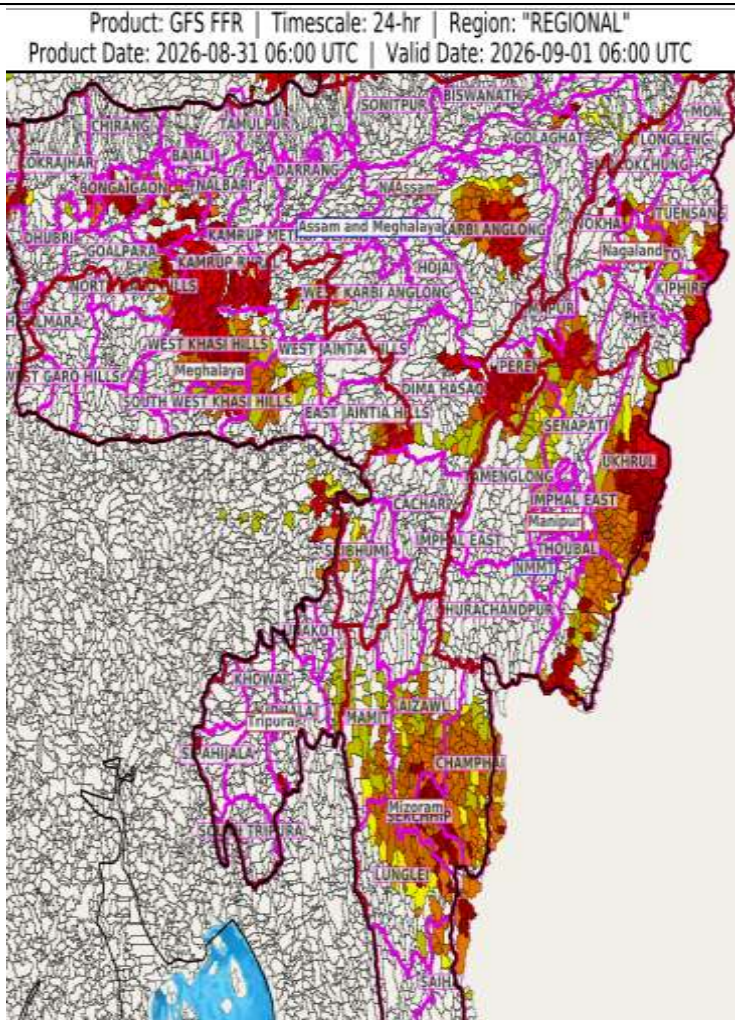
नागालैंड, मिजोरम, मणिपुर, त्रिपुरा (NMMT):

मणिपुर: उखरुल, चंदेल, तामेंगलॉग और सेनापति जिले

मिजोरम: आइजोल, चम्फाई, ममित, लुंगलेई, साईहा और सेरछिप जिले

नागालैंड: दीमापुर, किफायर, कोहिमा, लॉन्गलेन्ग, मोकोकचुंग, पेरेन, तुएनसांग और जुन्हेबोटो जिले

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी (saturated soils) और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) की स्थिति बन सकती है।



01-09-2026 को 1130 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (एफएफआर):

अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलक्षेत्रों और पड़ोस में कम से मध्यम अचानक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है।

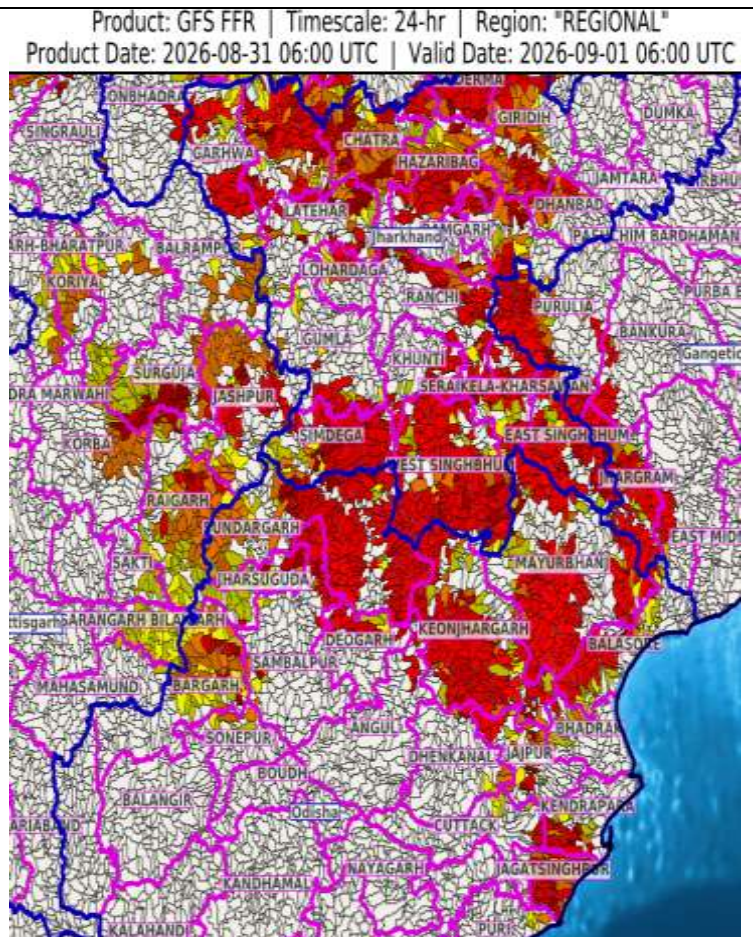
छत्तीसगढ़: बलरामपुर, जशपुर, कोरबा, कोरिया, मनेंद्रगढ़-भरतपुर, सक्ती, रायगढ़, सूरजपुर, सरगुजा और सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले

ओडिशा: बालासोर, बरगढ़, भद्रक, देवगढ़, जगतसिंहपुर, झारसुगुड़ा, कैदपाड़ा, क्योंझरगढ़, मयूरभंज, संबलपुर और सुंदरगढ़ जिले

झारखंड: चतरा, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, लोहरदगा, पलामू, रामगढ़, रांची, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, कोडरमा, गिरिडीह और धनबाद जिले

गांगेय पश्चिम बंगाल: पुरुलिया, झाड़ग्राम और बांकुरा जिले

जैसा कि मानचित्र में दिखाया गया है, अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण चिंता क्षेत्र (एओसी) पर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/बाढ़ हो सकती है।



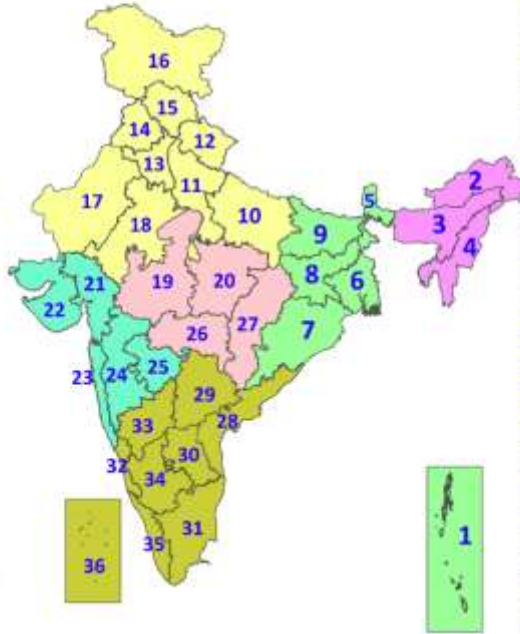
संकेत और संक्षिप्त नाम:

- ❖ भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- ❖ Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: जिला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- ❖ मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- ❖ मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- ❖ पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- ❖ उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।

- ❖ पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- ❖ दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यन्नम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm * Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm * Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions (a) Based on Departure from normal Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C . Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$ (b). Based on Actual maximum temperature Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$. Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$ (c). Criteria for heat wave for coastal stations When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$
Warm Night	When maximum temperature remains 40°C Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C . Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.
Cold Wave	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions. (a). Based on departure Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$ (b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only) Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$ Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$ (c) For Coastal Stations When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$
Cold Day	When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions Based on departure Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C . Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
Fog	Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$ Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)
Dust/Sand Storm	An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.
Frost	Ice deposits on ground Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)
Squall	A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute. Moderate: Wind speed 52-61 kmph Severe: Wind speed 62-87 kmph Very Severe: Wind speed > 87 kmph
Sea State	Effect of various waves in the sea over specific area Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre
Cyclone	Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)